समकालीन समाज में मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता

(Relevance of Human Values in Contemporary Society)

डॉ0 उत्तम सिंह

आज सम्पूर्ण विश्व सामाजिक और वैयक्तिक मूल्यों के संकट के दौर से गुजर रहा है। हम मानवीय, वैश्विक चेतना, प्रेम, मैत्री और करुणा की बाते करेंगे, अपने को राम–कृष्ण, महावीर, बुद्ध, सुकरात, ईसामसीह, मुहम्मद साहब, स्वामी विवेकानन्द और महात्मा गांधी की परम्परा को बताने में कोई कंजूसी नहीं करते हैं। लेकिन अपने वैयक्तिक जीवन में अधिकांश लोग निकृष्ट, अमानवीय, अनैतिक, असामाजिक आचरण करने में भी संकोच नही करते और एक सीमा का अतिरेक तो तब होता है, जब इसे ही लोग अपना जीवन दर्शन बना लेते हैं। सामाजिक मूल्य और वैयक्तिक आचरण के बीच का द्वैत ही आज धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मूल्यों में आये विचलन का मुख्य कारण है। मूल्य शिक्षा की सामयिक प्रांसगिकता पर विचार करने से पूर्व मूल्य शिक्षा के विकास क्रम पर विचार कर लेना आवश्यक है।